

Bhasha Sangam: A Report

An initiative to promote multilinguism under “Ek Bharat Shreshtha Bharat”

The programme “Ek Bharat Shreshtha Bharat” was initiated to celebrate the spirit of national integration. “Bhasha Sangam” marks the unique symphony of languages of our country and is an expression of our shared dreams, hopes and aspirations for one India. Under Bhasha Sangam initiative it was planned to provide multilingual exposure to students in Indian languages listed in the VIII schedule of the Constitution of India. This initiative was just the beginning of the journey meant to create interest in these languages and aroused curiosity to learn more.

Objectives of Bhasha Sangam included:

- To introduce school students to all the 22 languages of Schedule VIII of the constitution of India.
- To enhance linguistic tolerance and respect, and promote national integration.

A short dialogue consisting of five simple and commonly used sentences were designed in 22 languages for its use by students of all classes. A booklet was developed with translation of these sentences into all the 22 languages and Quick Response Codes (QR codes) were generated and audio recordings of these sentences spoken by the native speakers of these languages were linked with QR Codes. This was done to facilitate listening, comprehension and practice speaking of these languages. A booklet with guidelines and details of these resources were made available on e-pathshala.gov.in and mhrd.gov.in/bhashasangam website.

The programme was started on 20th November, 2018 and all the 22 languages were introduced in alphabetical order upto 21st December, 2018. Apart from this, the texts of each language were shared on social media on day to day basis to facilitate availability of text among all concerned.

This initiative has attracted large number of schools, students, teachers and teacher educators across the country. Organisation of Bhasha Sangam activities during morning assembly and speaking various languages through multiple activities, linking it to subject learning is visible from videos and photographs shared by schools. The teachers and teacher educators from States/UTs have taken various initiatives to disseminate Bhasha Sangam activities through social media and other mass mediums. Impact of these efforts are visible through various platforms including social media platform. Some of those are given on subsequent pages:

It is heartening to note that all the 36 States and UTs have actively participated in this event and 1,35,414 video recordings have been shared by schools across the country. These videos can be accessible on the link <http://bhashasangam.ncert.org.in/playlist.php>

Schools under all the seven autonomous bodies i.e. KVS, NVS, CBSE, CISCE, CTSA, Sainik Schools, Atomic Energy Education Society (AEES) etc. have actively participated in Bhasha Sangam. Top participating States/UTs/Autonomous bodies include Andhra Pradesh, Maharashtra, Tamil Nadu, KVS etc. From the social media (Twitter handle), it is evident that there are 2629 likes on Bhasha Sangam conversation. Out of these 42,55,109 people have opened and read content of the tweet (total reach on Twitter). Bhasha Sangam conversation/message were delivered to 1,51,50,985 persons across the world (total impressions on Twitter).

Selected News clippings and photographs recieved from various schools have been provided on the subsequent pages

Analytics on Bhasha Sangam

Videos Received through Web Portal

Participation by State/UTs = 36, Autonomous bodies = 07

Access the videos on: <http://bhashasangam.ncert.org.in/playlist.php>

1,35,414

Total Video entries received

Status of Videos submitted by States/UTs

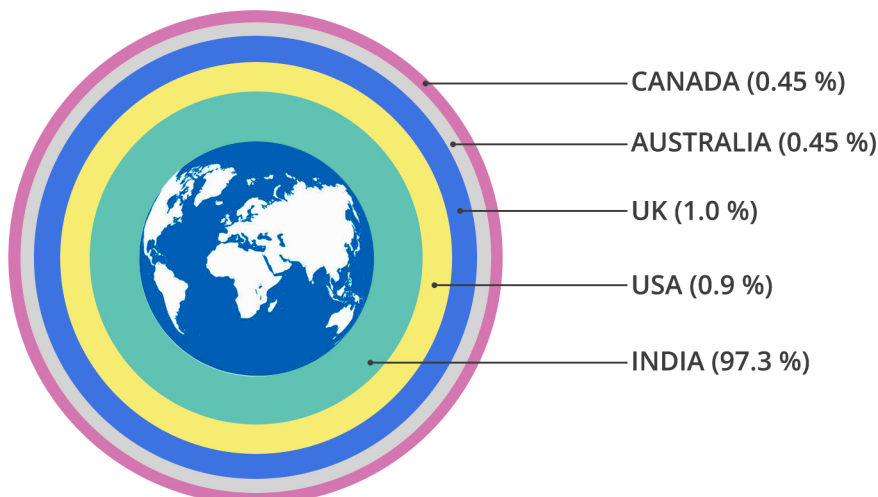
Andaman and Nicobar Islands - (62)	Haryana - (1115)	Nagaland - (116)
Andhra Pradesh - (94872)	Himachal Pradesh - (409)	Orissa - (879)
Arunachal Pradesh - (739)	Jammu and Kashmir - (500)	Pondicherry - (508)
Assam - (817)	Jharkhand - (325)	Punjab - (663)
Bihar - (799)	Karnataka - (1367)	Rajasthan - (1932)
Chandigarh - (357)	Kerala - (851)	Sikkim - (37)
Chhattisgarh - (432)	Lakshadweep - (12)	Tamil Nadu - (5473)
Dadra and Nagar Haveli - (22)	Madhya Pradesh - (2078)	Tripura - (239)
Daman and Diu - (3)	Maharashtra - (10238)	Uttaranchal - (501)
Delhi - (2787)	Manipur - (194)	Uttar Pradesh - (2448)
Goa - (671)	Meghalaya - (82)	West Bengal - (903)
Gujarat - (887)	Mizoram - (75)	Telangana - (2015)

Status of Videos submitted by Autonomous Bodies

KVS - (14059)	AEES - (33)	Sainik School - (74)
NVS - (1680)	CBSE - (8233)	Others - (4912)
CTSA - (16)	ICSE - (6)	State/UTs - (106392)

Impact on Twitter Handle

Geographical Coverage



Popularity on Twitter

Total Likes

2629

Total Reach

42,55,109

Total Impression

1,51,50,985

होम NCR

स्कूली बच्चों में 'भाषाई सहिष्णुता' बढ़ाने को HRD मंत्रालय का ये नया फरमान

नई दिल्ली। हिन्दुस्तान टाइम्स

Last updated: Sat, 24 Nov 2018 07:22 PM IST



जब भी हम किसी से मिलते हैं तो सबसे पहले उसे अपनी भाषा में संबोधित करने के लिए हिंदी में 'नमस्ते', अंग्रेजी में 'हेलो', तमिल भाषा में 'वणक्कम', मणिपुरी में खुरमुजारी, उर्दू में 'अदाब' और संथाली में 'जोहर' कहते हैं।

राष्ट्रीय एकता और "भाषाई सहिष्णुता" को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही नियमित रूप से स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान स्कूली छात्रों को इस तरह के अलग-अलग शब्द (सबक) सिखाए जाएंगे।

इसके लिए केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचआरडी) मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर 'भाषा संगम' कार्यक्रम के तहत स्कूलों में सुबह की प्रार्थना के दौरान सीनियर स्टूडेंट्स द्वारा पांच अलग-अलग भाषाओं के शब्द बोलने के लिए कहा है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "एक दिन यह शब्द तमिल भाषा का हो सकता है तो दूसरे दिन असमिया, अगले दिन पंजाबी, बंगाली या संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत आने वाली भाषाओं में से किसी भी भाषा में ये हो सकते हैं। इसका उद्देश्य भाषाई सहिष्णुता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के साथ ही हर बच्चे को इन सभी भाषाओं में सरल संवाद से परिचित कराना है।"

अधिकारी ने कहा कि यह कार्यक्रम कम उम्र में ही छात्रों को विभिन्न आयात देने का प्रयास है। मंत्रालय ने स्कूलों से इन राज्यों के शिक्षकों, माता-पिता, सरकारी कर्मचारियों को स्कूल में बुलाकर आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित करने को कहा है, जिसके लिए मंत्रालय ने किताब भी बनवाई की है।

एचआरडी मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि शिक्षक छात्रों को उस दिन के लिए चुनी गई भाषा में संबोधित कर सकते हैं और उनके साथ बातचीत कर सकते हैं और छात्रों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

स्प्रिंगडेल स्कूल, नई दिल्ली की प्रिंसिपल अमिता वट्टल ने कहा, "यह विविधता का जश्न मनाने का एक सरल तरीका है। हमें अपने देश की विविधता का जश्न मनाने के और तरीके भी मिलना चाहिए।"

खुशखबर: सीबीएसई स्कूलों में बच्चे सीखेंगे 22 राज्यों की भाषाएं, हर दिन सिखाई जाएगी अलग भाषा

न्यूज डेस्क/अमर उजाला, देहातून Updated Wed, 28 Nov 2018 08:30 AM IST



केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध अथवा मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं अब हर दिन अलग राज्य की भाषा सीखेंगे। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के भाषा संगम प्रोजेक्ट के तहत मंगलवार से इसकी शुरुआत की गई।

सीबीएसई ने पिछले दिनों भाषा संगम के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके अनुसार छात्रों को अगले एक महीने में इन भाषाओं को सिखाने के लिए प्रोजेक्ट चलाया जाएगा। इसमें कक्षा एक से कक्षा 12 तक के छात्रों को शामिल किया जाएगा।

जिससे वह हिंदी, अंग्रेजी के अलावा देश के अलग-अलग प्रदेशों की क्षेत्रीय भाषाओं को भी सीख सकेंगे। छात्र इस प्रोजेक्ट के तहत हर भाषा के पांच वाक्य सीखेंगे। इसके बाद उन्हें प्रार्थना के समय इन वाक्यों को बोलना होगा।

किस दिन कौन सी भाषा सिखाई जाएगी

साथ ही छात्रों को घर पर अभिभावकों के साथ इन वाक्यों पर विचार-विमर्श करना होगा। स्कूलों में प्रतिदिन दी जाने वाली जानकारी का वीडियो बनेगा। यह वीडियो सीबीएसई की वेबसाइट पर अपलोड करना होगा।

विवेकानंद स्कूल के प्रिंसिपल एके सिंह का कहना है कि वह पहले से ही इस दिशा में काम कर रहे थे। अब सरकारी और सीबीएसई के निर्देशों के तहत पांच-पांच वाक्य सिखाए जाएंगे। सीबीएसई के क्षेत्रीय अधिकारी रणवीर सिंह के मुताबिक सभी स्कूलों को निर्देशों से अवगत करा दिया गया है। स्कूल अपनी प्रशिक्षण की वीडियो वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।

28 नवंबर को गुजराती, 29 को हिंदी, 30 नवंबर को कन्नड़, तीन दिसंबर को कश्मीरी, चार को कोंकणी, पांच को मैथिली, छह को मलयालम, सात को मणिपुरी, दस को मराठी, 11 को नेपाली, 12 को उड़िया, 13 को पंजाबी, 14 को संस्कृत, 17 को संथाली, 18 को सिंधी, 19 को तमिल, 20 को तेलुगु और 21 दिसंबर को पूरे प्रोजेक्ट का प्रसारण किया जाएगा।

भाषा संगम के तहत सरकारी स्कूल के बच्चे सीख रहे 22 भारतीय भाषाओं

Ambala News - सरकारी स्कूल के बच्चे देश की 22 विविध भाषाओं के साथ रुकू हो रहे हैं। वक्तों में भाषा को सीखने की लतक इनकी है कि...

Dainik Bhasark

Dec 10, 2018, 02:02 AM IST



सरकारी स्कूल के बच्चे देश की 22 विविध भाषाओं के साथ रुकू हो रहे हैं। बच्चों में भाषा को सीखने की लतक इनकी है कि सीखने के दौरान वे अलग-अलग भाषाओं के बच्चों को प्रेरणा से सुदूर तक अपनी प्रेरणा बढ़ा रहे हैं। हर दिन बच्चे पांच वाक्यों के जरिए अलग-अलग भाषा को सीखेंगे। प्रिंसिपल उदयेश्वर यह है कि बच्चों में भाषा संगम कार्यक्रम के तहत पाठ-पुस्तकी भाषा को सीखने के उद्देश्य से सज्जन बने। इस प्रोजेक्ट को पेट के जेल शोध स्कूल में सिद्धि प्रयासिनी शौ. सोनिया के बच्चे के तहत 21 दिसंबर तक चलेंगे।

पांच वाक्यों के जरिए संवाद करने सीखेंगे हैं भाषा। सिद्धि प्रयासिनी शौ. सोनिया के बच्चे के तहत 21 दिसंबर तक भाषा संगम प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। बच्चों को प्रेरणा देना ही पांच वाक्य हर दिन अलग-अलग भाषा के लिए जाले हैं। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट को पहले 10वीं से 12वीं तक शुरू किया गया था, नगर प्रशासकीय विभाग के स्टूडेंट की रुचि को प्रेरणा में बढ़ी है।

केलेटिड पीज को उद्योग करने का प्रयास। शौ. सोनिया के बच्चे हैं कि सही तरह के उद्देश्य में अलग है कि लोग बच्चे को भाषा को सीखने के लिए प्रेरणा देना है कि इसके उद्देश्य में केलेटिडिडि अमरी है, मंगल देश की 22 भाषाओं को सीखने के उद्देश्य में केलेटिडिडि उद्योग होगी। बच्चे के तहत 21 दिसंबर से बच्चों को भाषा बोली सिखाई जाती है। इसे लेकर विभिन्न बच्चों की विचारधारा भी बढ़ी है।

ओम इंटरनेशनल स्कूल में भाषा संगम कार्यक्रम में बच्चे सीखेंगे नई भाषा

Hisar News - भाषा संगम कार्यक्रम में प्रथम बार चर्चे बनीं शिक्षा। ओम इंटरनेशनल स्कूल स्कूल में बनीं बनीं शिक्षा...

Dainik Bhasark

Dec 10, 2018, 04:01 AM IST



ओम इंटरनेशनल स्कूल में भाषा संगम कार्यक्रम में बच्चे सीखेंगे नई भाषा

ओम इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों को विभिन्न भाषाओं का ज्ञान देने के उद्देश्य से अलग-अलग भाषा संगम कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 22 भाषाओं को सीखने के उद्देश्य से अलग-अलग भाषा संगम कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 22 भाषाओं को सीखने के उद्देश्य से अलग-अलग भाषा संगम कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत 22 भाषाओं को सीखने के उद्देश्य से अलग-अलग भाषा संगम कार्यक्रम शुरू किया गया है।

नौनिहालों को मराठी भाषा का कराराया बोध

साधारण, वररामपुर : सरर रियाा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय धुसाधुसा प्रथम मॉडलर स्कूल में एक मातल श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत भाषा संगम का आरंभ किया गया। साधारण को विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी में अर्थ समझाने मराठी भाषा बोलने का अभाव कराराया गया। प्राथमिक प्राथमिक शिक्षा में बच्चे को मराठी भाषा में नमस्कार, नमस्कार का नाम है, तुम कैसे हो, मैं अच्छा हूँ कहकर आम बोलचाल में बोलने को मराठी भाषा में सीखने का बोध कराराया गया। बताया कि प्राथमिक शिक्षा के दौरान विभिन्न भाषा से बच्चों को बोलना देना ही विभिन्न भाषाओं का अभाव कराराया जा रहा है। नमस्कार-अभ्यास जाकर, देवेंद्र मिश्र मौजूद रहे।

NEWS SERVICES DIVISION ALL INDIA RADIO

150th Birth Anniversary of Mahatma Gandhi

HOME NATIONAL INTERNATIONAL STATE BUSINESS SPORTS REGIONAL NSD ARCHIVES हि

NEWS HIGHLIGHTS Iaje won Jharkhand seat. Congress surges ahead of BJP in race to Chhattisgarh and Rajasthan Assemblies.

National News

Nov 30, 2018, 9:03AM

Govt launches Bhasha Sangam to introduce school students to 22 Indian languages

The government has launched a unique initiative called Bhasha Sangam to introduce school students to 22 Indian languages. The initiative, under Ek Bharat Shreshtha Bharat, was launched on 22nd of this month and will continue till the 21st of December.

Bhasha Sangam is a programme for schools and educational institutions to provide multilingual exposure to students in Indian languages. Another objective of Bhasha Sangam is to enhance linguistic tolerance and respect and promote national integration.

Human Resource Development Minister Prakash Javadekar had recently uploaded a video on his Twitter account, about 'Bhasha Sangam'. He said it is just the beginning of a journey meant to create interest in different Indian languages and curiosity to learn more.

Talking to AIR, Secretary, HRD Ministry, Reena Ray said there are 22 languages listed in Schedule VIII of the Constitution but most students are familiar with only one or two languages. She said millions of school children are now being familiarised with other languages under Bhasha Sangam.

नवभारत टाइम्स

स्कूली छात्रों को क्षेत्रीय भाषाओं का बुनियादी ज्ञान देने के लिये भाषा संगम पहल

भारत Nov 26, 2018, 03:40 PM IST

नवी दिल्ली, 26 नवंबर -भाषा: मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत 'भाषा संगम' पहल शुरू की है जिसके तहत ऑनलाइन माध्यम से स्कूली छात्रों को देश के अलग अलग प्रदेशों में बोली जाने वाली भाषाएँ सीखने का अवसर मिलेगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के एक अधिकारी ने 'भाषा' को बताया कि 'भाषा संगम' पहल के तहत संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्णित 22 भाषाओं के बारे में ई-पठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को बुनियादी जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत पिछले सप्ताह की गई है। इसके तहत हिन्दी, असमिया, बंगाली, बोडो, तमिल, तेलुगु, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोकणी, मैथिली, मराठी, मलयाली, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, सोनी भाषा के बारे में छात्रों को बताया जाएगा। भाषा संगम के तहत प्रतिदिन किसी एक भाषा से संबंधित बोलचाल के शब्द और संवाद से जुड़ी पांच संक्षिप्त बतानी जाती हैं। उच्च कक्षा के छात्रों को इन पांच वाक्यों पर आधारित पोस्टर तैयार करने को भी कहा गया है। छात्रों से कहा गया है कि वे अपने घर पर इन सीखे गए शब्दों एवं वाक्यों का उपयोग करें। स्कूलों में भी संबंधित नतिवित्तियों को बढ़ावा देने की बात कही गई। इस संवाद पर आधारित ऑडियो लिंक भी संलग्न किया गया है ताकि छात्रों को उच्चारण में कोई परेशानी पैदा नहीं आए। अधिकारी ने बताया कि इसका मकसद छात्रों को दूसरी भाषाएँ आसानी से सीखने के लिए प्रेरित करना तथा भाषायी सहिष्णुता एवं राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है।

अब स्कूली बच्चे सीखेंगे क्षेत्रीय भाषाएं, ऐसे करवाई जाएगी पढ़ाई

केंद्र सरकार की ओर से शुरू की गई पहल से अब स्कूली बच्चों को अन्य राज्यों की क्षेत्रीय भाषाएं सिखने का अवसर प्राप्त होगा।

ajtak.in [Edited By: मोहित परीकर]
नई दिल्ली, 27 नवंबर 2018, अपडेटेड 15:57 IST

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत 'भाषा संगम' पहल शुरू की है, जिसके तहत बच्चों को अलग-अलग प्रदेशों की भाषाएं सीखने का मौका मिलेगा। स्कूली बच्चों को ऑनलाइन माध्यम से स्कूली छात्रों को देश की अलग-अलग क्षेत्रीय भाषाएं सिखाई जाएगी।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने बताया कि 'भाषा संगम' पहल के तहत ई-थाला के माध्यम से छात्रों को बुनियादी जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी।

इस कार्यक्रम की शुरुआत पिछले सप्ताह की गई है। इसके तहत हिन्दी, असमिया, बंगाली, बोडो, तमिल, तेलुगु, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयाली, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओडिया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, डोगरी भाषा के बारे में छात्रों को बताया जाएगा। भाषा संगम के तहत प्रतिदिन किसी एक भाषा से संबंधित बोलचाल के शब्द और संवाद से जुड़ी पांच पंक्तियां बतायी जाती हैं।

उच्च कक्षा के छात्रों को इन पांच पंक्तियों पर आधारित पोस्टर तैयार करने को भी कहा गया है। छात्रों से कहा गया है कि वे अपने घर पर इन सीखे गए शब्दों और पंक्तियों का उपयोग करें। स्कूलों में भी संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही गई।

Govt launches Bhasha Sangam to introduce school students to 22 Indian languages

Published on November 30, 2018

The government has launched a unique initiative called Bhasha Sangam to introduce school students to 22 Indian languages. The initiative, under Ek Bharat Shreshtha Bharat, was launched on 22nd of this month and will continue till the 21st of December.

Bhasha Sangam is a programme for schools and educational institutions to provide multilingual exposure to students in Indian languages. Another objective of Bhasha Sangam is to enhance linguistic tolerance and respect and promote national integration.

Human Resource Development Minister Prakash Javadekar had recently uploaded a video on his Twitter account, about 'Bhasha Sangam'. He said it is just the beginning of a journey meant to create interest in different Indian languages and curiosity to learn more.

Talking to our source, Secretary, HRD Ministry, Reena Ray said there are 22 languages listed in Schedule VIII of the Constitution but most students are familiar with only one or two languages. She said millions of school children are now being familiarised with other languages under Bhasha Sangam.



विद्यार्थियों को 22 भाषाओं का ज्ञान देने के लिए हुआ भाषा संगम समारोह

Jhabua News - विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषाओं को पोस्टर पर लिखकर उसके बारे में जानकारी ली। केंद्रीय विद्यालय गेल में हुआ...

Dainik Bhaskar

Dec 07, 2018, 03:41 AM IST

विद्यार्थियों ने विभिन्न भाषाओं को पोस्टर पर लिखकर उसके बारे में जानकारी ली।

केंद्रीय विद्यालय गेल में हुआ आयोजन

ज्ञातुआ। केंद्रीय विद्यालय गेल के विद्यार्थियों को 22 भाषाओं का ज्ञान देने के लिए भाषा संगम समारोह का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर स्कूल में 20 नवंबर से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसका समापन 21 दिसंबर को होगा।

विद्यालय के प्रचार्य जेपी बोहरे ने बताया समारोह का उद्देश्य भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी 22 भाषाओं का प्रचार-प्रसार करना है। इसी के तहत विद्यार्थियों को हिंदी, अंग्रेजी, मैथिली, कोंकणी, तमिल, तेलुगु, आसामी, मलयालम इत्यादि भाषाओं के बारे में बताया जा रहा है। आयोजन में मनीष त्रिवेदी, राजनीत यादव, श्रीधरचंद्रन गौतम, सुनीता पिल्लई विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं।

भाषा संगम कार्यक्रम - विभिन्न भाषी छात्रों को एकसूत्र में मिलाने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान की स्कूलों में होगी शुरुआत

सरकारी स्कूलों के बच्चे सीखेंगे देश की 22 भाषाएं

सरकारी स्कूलों के बच्चे सीखेंगे देश की 22 भाषाएं। केंद्र सरकार ने एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत 'भाषा संगम' पहल शुरू की है। इस पहल के तहत स्कूलों में 22 भारतीय भाषाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देश पर स्कूलों में 20 नवंबर से कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसका समापन 21 दिसंबर को होगा।

भाषा के संगम में डुबकी लगाएंगे केवियन

Publish Date:Wed, 21 Nov 2018 09:00 AM (IST)



मेरठ के तीनों केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों (केवियन) भाषा के संगम में डुबकी लगाएंगे। मेरठ सहित सभी केंद्रीय विद्यालयों में मंगलवार को एक साथ 'भाषा संगम' कार्यक्रम

मेरठ : मेरठ के तीनों केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों (केवियन) भाषा के संगम में डुबकी लगाएंगे। मेरठ सहित सभी केंद्रीय विद्यालयों में मंगलवार को एक साथ 'भाषा संगम' कार्यक्रम शुरू कर दिया गया। हर दिन केवियन देश में प्रचलित 22 भाषाओं में से किसी एक भाषा के पांच वाक्य सीखेंगे। ये संबंधित प्रदेश की भाषा के प्रचलित वाक्य होंगे। बच्चों से इनका उच्चारण कराने के साथ लिखवाया भी जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर वे 'हदी और अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में भी संवाद कर सकें। इससे अनेकता में एकता का भाव पैदा होने के साथ-साथ भाषाई भेदभाव भी मिटेगा।

नवाचार • भाषा संगम (एक भारत श्रेष्ठ भारत) कार्यक्रम के तहत होगी प्रदेशभर में गतिविधियां सरकारी स्कूलों के बच्चों सीखेंगे देश की 22 भाषाएं, रोज प्रार्थना सभा में वाक्यों को पढ़ना और बोलना सिखाएंगे

बच्चों में राष्ट्रपिता एकता के भाव विकसित होंगे

भास्कर शंकरदत्तवा। दिल्ली/नई

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी अब हर दिन प्रार्थना सभा में भारतीय संविधान के तहत 22 भाषाओं के सामान्य वाक्यों से परिचित कराया जाएगा है। इस संघर्ष में राज्यसभ स्कूल शिक्षा परिषद के अतिरिक्त राज्य परिषदों में भी शिक्षा के अधिकारी आदेश की देरी को ध्यान में रखकर नवाचार के अंतर्गत शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी हेमेट उपस्थित के अनुसार आदेशों की पालना के लिए सीबीईएडएओ के मार्फत सभी भाषा प्रधानों को सूचित कर दिया है। कई जगह पर कार्यक्रम शुरू भी हो गए हैं।

यह करना होगा, टाइम फ्रेम जारी, पुरस्कार का प्रावधान

21 दिसंबर तक यह सिखाएंगे भाषाएं: नवंबर में 27 को डोगरी, 28 को गुजराती, 29 को हिंदी, 30 को कन्नड़, 3 दिसंबर को कश्मीरी, 4 को कोंकणी, 5 को मैथिली, 6 को मलयालम, 7 को मणिपुरी, 10 को मराठी, 11 को नेपाली, 12 को ओडिया, 13 को पंजाबी, 14 को संस्कृत, 17 को संथाली, 18 को सिंधी, 19 को तमिल, 20 को तेलुगु व 21 दिसंबर को उर्दू सिखाई जाएगी। स्कूलों को इस कार्यक्रम की फोटोग्राफी कर वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। इसके बाद संस्था प्रधान, पीईओ, ब्लॉक व जिले के अधिकारी प्रतिदिन 5 से 10 स्कूलों की गतिविधियों का चयन करेंगे। श्रेष्ठ स्कूल, ब्लॉक, जिला व राज्य को स्कूल शिक्षा विभाग के एनएचआरडी द्वारा चयनित कर पुरस्कृत किया जाएगा।

चुनाव के कारण अभी कई स्कूलों में कार्यक्रम शुरू नहीं

कार्यक्रम 20 नवंबर से 21 दिसंबर तक होगा है, लेकिन स्वच्छता वृद्ध पर अभी स्वच्छता तैयार नहीं हो पाई है। शिक्षा विभाग के अधिकारी आदेश की देरी को चुनाव गतिविधियों की व्यस्तता से जोड़ रहे हैं। जिले के सभी शिक्षा व आला अधिकारी चुनावी कार्यक्रम में व्यस्त हैं, ऐसे में इस अभियान की क्रियान्वित देरी से शुरू होगी।

यह भी करना होगा

भाषा के जानकारों को स्कूल में बुलाकर विभिन्न भाषाओं के बोलचाल के शब्दों का ज्ञान का कराया जाएगा।
वाक्यों पर पोस्टर बनाने के लिए 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे।
विद्यार्थियों को घर पर इन वाक्यों के प्रयोग के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे।
इन गतिविधियों को हाइडलाइन एवं भाषाई संवादा की आडियो रिकॉर्डिंग भी होगी।



Home > States > Karnataka

Government school students to be introduced to 22 languages in a month

The Bhasha Sangam programme, under the 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' project of the MHRD, will be followed in schools from November 20 to December 21, 2018.

Published: 23rd November 2018 04:41 AM | Last Updated: 23rd November 2018 04:41 AM

By Express News Service

BENGALURU: Students at government schools across the country will get introduced to 22 Indian languages in a span of one month, under a new project initiated by the Ministry for Human Resource Development (MHRD).

The Bhasha Sangam programme, under the 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' project of the MHRD, will be followed in schools from November 20 to December 21, 2018, during which schoolchildren will be introduced to all 22 India languages of Schedule VIII of the Constitution.

The ministry has released a schedule marking dates for each language, and students have already been introduced to Assamese and Bengali on November 20 and 22, respectively. Next on the schedule is Bodo on November 26, and Dogri on November 27. Kannada is scheduled for introduction on November 30.

During the Bhasha Sangam programme, the school authorities have to introduce students to five sentences of the language fixed for that particular day/date by reading out the sentences in the morning assembly and asking the students to repeat them.

"We need to read out five simple short commonly-used sentences, for eg, what is your name, hello, how are you, etc. In case there are any students who know that particular language we can make them read out the sentences in the morning assembly," said a teacher from a government school in the city.

आयोजन डीपीएस आरके पुरम में भाषा संगम कार्यक्रम, 17 स्कूलों के बच्चों ने लिया भाग

'भाषा की मिठास जोड़ सकती है समाज को'

■ वरिष्ठ संवाददाता, नई दिल्ली

स्टूडेंट्स में भाषा के प्रति सम्मान और व्यक्तित्व में निखार के लिए शनिवार को आरके पुरम स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में भाषा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 17 स्कूलों के बच्चों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मुख्य अतिथि पंच सत्येव रहें। इस दौरान डीपीएस आरकेपुरम की प्रिंसिपल बनिता सहवाल भी थीं। विद्या विद्येय के निदेशक तारिक और डॉ सरस्वत भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं में जीतने स्कूलों के स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल बच्चों को संबोधित करते हुए पंचा सत्येव ने कहा कि भारत में मिलने विविधता है, उसी शायद ही किसी देश में हो। यहां 1700-1800 बोलियां हैं। सबके लोकगीत हैं, जो जोड़ भी सकती है।

कहानी मंच प्रतियोगिता में डीपीएस फरीदाबाद पहले, डीपीएस हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा। इंटर स्कूल लेवेल फेस्टिवल के केनेदर प्रोटेक्ट में डीपीएस इंदौरनेपाल ने काफी मजरी। टाटा टिक्स्टर प्रतियोगिता में डीपीएस गुडगांव प्रथम और डीपीएस नोएडा दूसरे स्थान पर रहा। दूरदर्शन प्रस्तुति प्रतियोगिता में डीपीएस फरीदाबाद पहले और अमुदा विद्यालय दूसरे नंबर पर रहा।

भाषा संगम: देशातील २२ भाषांमध्ये किमान पाच वाक्ये बोलावीत

अभिहित: आरके पुरम डीपीएस

भाषा संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 17 स्कूलों के बच्चों ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। मुख्य अतिथि पंच सत्येव रहें। इस दौरान डीपीएस आरकेपुरम की प्रिंसिपल बनिता सहवाल भी थीं। विद्या विद्येय के निदेशक तारिक और डॉ सरस्वत भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं में जीतने स्कूलों के स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल बच्चों को संबोधित करते हुए पंचा सत्येव ने कहा कि भारत में मिलने विविधता है, उसी शायद ही किसी देश में हो। यहां 1700-1800 बोलियां हैं। सबके लोकगीत हैं, जो जोड़ भी सकती है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने लांच की "भाषा संगम" पहल

December 1, 2018

हाल ही में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने "भाषा संगम" नामक पहल शुरू की, इस पहल का उद्देश्य स्कूली छात्रों को भारतीय संविधान आठवीं अनुसूची की 22 भारतीय भाषाओं से परिचित करवाना है।

भाषा संगम

इस पहल को "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत लांच किया गया है। यह कार्यक्रम 22 नवम्बर से 21 दिसम्बर, 2018 तक चलेगा। इसका उद्देश्य भाषाई एकता तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। इस पहल के अंतर्गत स्कूल प्रशासन को निश्चित दिन के लिए किसी भाषा के पांच वाक्य प्रातः कालीन सभा में बताने होंगे और छात्रों को उन वाक्यों की पुनरावृत्ति करने के लिए कहा जायेगा। इस पहल के द्वारा स्कूली छात्रों को देश की विभिन्न भाषाओं को जानने का मौका मिलेगा।

बड़ी खबरें

LOCAL NEWS

www.jansatta.com | Nov 20, 2018, 07:33 IST

स्कूलों में आज से 22 भाषाओं में पांच वाक्य सीखेंगे विद्यार्थी

देश भर के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे मंगलवार से एक महीने तक 22 भाषाओं के पांच वाक्यों को सीखेंगे। 21 दिसंबर तक चलने वाला 'भाषा संगम' केन्द्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्रालय के स्कूल शिक्षा व साक्षरता विभाग के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। एचआरडी मंत्रालय में संयुक्त सचिव मनीष गर्ग की ओर से सभी देश के सभी शिक्षा सचिवों केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति को जारी पत्र में कहा गया है कि 'भाषा संगम' के माध्यम से हम विद्यार्थियों को भाषायी विविधता से रुबरु कराएंगे। इससे स्कूलों में पढ़ने वाले

केंद्र सरकार द्वारा स्कूलों में 22 भाषाएं सिखाने के लिए 'भाषा संगम' परियोजना आरंभ

Bhasha Sangam
Celebrating the Linguistic Diversity of India

Guidelines

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबन्धित अथवा मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र छात्राएं प्रत्येक राय की भाषा सीखेंगे। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की भाषा संगम परियोजना के तहत 27 नवंबर 2018 से इसकी शुरुआत की गई।

सीबीएसई ने कुछ समय पूर्व ही भाषा संगम के लिए अधिसूचना जारी की थी। इससे अनुसार छात्रों को अगले एक महीने में इन भाषाओं को सिखाने के लिए प्रोत्साहित बताया जाएगा। इसमें कक्षा एक से कक्षा 12 तक के छात्रों को शामिल किया जाएगा।

संगम परियोजना

संगम परियोजना के तहत 28 नवंबर को गुवाहाटी, 29 को दिल्ली, 30 नवंबर को कोयंबूर, तीन दिसंबर को कन्नूर, चार को कोयंबूर, पांच को मेरिठ, छह को मालवापुर, सात को मडियापुरी, आठ को मराठी, 11 को मेरठ, 12 को उदिय, 13 को पंजाबी, 14 को संस्कृत, 17 को संथली, 18 को सिंधी, 19 को तमिल, 20 को तेलुगु और 21 दिसंबर को पूरे प्रोत्साहित का प्रसारण किया जाएगा।

आमटेम शाळेत भाषा संगम उपक्रमाची सुरुवात

भाषा संगम में बच्चों ने लिया बंगाली भाषा का ज्ञान

मेरठ, लोकसत्य। प्राथमिक विद्यालय कमालपुर के बच्चों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत भाषा संगम में बंगाली भाषा का ज्ञान लिया। बच्चों ने वेबसाइट पर दिए गए पांच वाक्यों का अध्ययन किया। शिक्षिका यतिका पुंडीर ने बच्चों को बंगाली भाषा के कुछ शब्दों का ज्ञान कराया। उन्होंने बच्चों को बंगाली गीत भी याद कराया, जिसे बच्चों ने बहुत ही उत्साह से सीखा। इस मौके पर पंकज शर्मा, सहवा जमाल, मोनिका शर्मा व मोहम्मद अरशद मौजूद रहे।

कारनाळा : किशोर केणी

शासनाने राष्ट्रीय एकात्मता वाढीसाठी एक भारत श्रेष्ठ भारत इंग्रजीसोबत हा कार्यक्रम हाती घेतला आहे. या अनुषंगाने 20 नोव्हेंबर 21 डिसेंबर 2018 या कालखंडात भाषा संगम हा उपक्रम सर्व शाळांमध्ये सर्व भारतीय भाषांबद्दल अधिक प्रेम व आपुलकी निर्माण होण्याच्या दृष्टीने घडवायला आहे. त्याचप्रमाणे हा उपक्रम आमटेम येथे सुरू करण्यात आला आहे.

या उपक्रमाला 30 यामुद विद्यालय परिषद शाळा आमटेम येथील उपशिक्षिका चित्रेशा जाधव यांनी विद्यार्थ्यांना लावलेला आहे. त्याचबरोबर या विद्यार्थ्यांना या उपक्रमानंतर्गत वाक्यांवर आधारित प्रश्नोत्तर तयार करण्यास सांगितली आहेत आणि ती पोस्टर्स व प्रश्नोत्तर शब्दोंत लावण्यास तसेच त्यासंदर्भात इतर काही प्रश्न उपक्रम व त्यांची माहिती घ्यावी, असे या उपक्रमाचे नियोजन आहे. त्यानुसार यामुद विद्यालय परिषद शाळा आमटेम येथे भाषा संगम या उपक्रमाची सुरुवात झालेली आहे. त्यामध्ये उपक्रमाचे महत्त्व व माहिती भारतीय राष्ट्रीय एकात्मता यावर

यामुद विद्यालय परिषद शाळा आमटेम येथील उपशिक्षिका चित्रेशा जाधव यांनी विद्यार्थ्यांना लावलेला आहे. त्याचबरोबर या विद्यार्थ्यांना या उपक्रमानंतर्गत वाक्यांवर आधारित प्रश्नोत्तर तयार करण्यास सांगितली आहेत आणि ती पोस्टर्स व प्रश्नोत्तर शब्दोंत लावण्यास तसेच त्यासंदर्भात इतर काही प्रश्न उपक्रम व त्यांची माहिती घ्यावी, असे या उपक्रमाचे नियोजन आहे. त्यानुसार यामुद विद्यालय परिषद शाळा आमटेम येथे भाषा संगम या उपक्रमाची सुरुवात झालेली आहे. त्यामध्ये उपक्रमाचे महत्त्व व माहिती भारतीय राष्ट्रीय एकात्मता यावर

भाषा संगम कार्यक्रम - विभिन्न भाषी छात्रों को एकसूत्र में पिरोने के लिए, एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान की स्कूलों में होगी शुरुआत

सरकारी स्कूलों के बच्चे सीखेंगे देश की 22 भाषाएं

सरकारी स्कूलों के बच्चे आज देश की 22 भाषाओं को जानने में होंगे। यह पहल 'भाषा संगम' के तहत शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य भाषाई एकता तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। इस पहल के अंतर्गत स्कूल प्रशासन को निश्चित दिन के लिए किसी भाषा के पांच वाक्य प्रातः कालीन सभा में बताने होंगे और छात्रों को उन वाक्यों की पुनरावृत्ति करने के लिए कहा जायेगा। इस पहल के द्वारा स्कूली छात्रों को देश की विभिन्न भाषाओं को जानने का मौका मिलेगा।

महाराष्ट्र सरकार

सरकार ने 22 भाषाओं को स्कूलों में पढ़ाने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम 22 नवंबर से 21 दिसंबर तक चलेगा। इसका उद्देश्य भाषाई एकता तथा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। इस पहल के अंतर्गत स्कूल प्रशासन को निश्चित दिन के लिए किसी भाषा के पांच वाक्य प्रातः कालीन सभा में बताने होंगे और छात्रों को उन वाक्यों की पुनरावृत्ति करने के लिए कहा जायेगा। इस पहल के द्वारा स्कूली छात्रों को देश की विभिन्न भाषाओं को जानने का मौका मिलेगा।

BHASHA SANGAM INITIATIVE FOR CBSE CLASS 10 & 12 TEACHES 22 LANGUAGES UNDER SCHEDULE VIII

This scheme aims to extend the knowledge of the students on the basic courtesy and communication in different languages.

By Parul Sharma - November 20, 2018

Bhasha Sangam Initiative to Familiarise CBSE Students with 22 Schedule VIII Languages

As per the latest reports, a revolution has been made by the Ministry of Human Resource Development (MHRD). Now, the ministry has suggested all the heads of the CBSE schools to follow Bhasha Sangam Initiative. It is a programme under which all the schools or educational institutions will provide the multilingual disclosure to the students. So, all the students of class 10 and 12 who are studying under CBSE board will get the opportunity to explore the various languages under the Schedule VIII of the Constitution of India.

The students will get the chance to learn basic courtesy and communication sentences of the different languages listed in India Constitution Schedule VIII. Regarding this, the Central Board of Secondary Education has released a notification for its all schools to conduct this programme. Bhasha Sangam programme will be conducted from November 27 to December 21, 2018.

सुरुआत | एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान से 3140 स्कूलों में चलनेगी भाषा संगम की क्लास

हिंदी के साथ 22 भाषाएं सीखेंगे तीन लाख नौनिहाल

संजय तिवारी

गोवा। बेसिक शिक्षा के परिषदीय स्कूलों में देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने के लिए एक तरह का संगम शुरू हो रहा है। हिंदी के 3140 स्कूलों में एक साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को समर्थन देने की लड़ाई बत दिवा गया। हर स्कूल में भाषा संगम की परियोजना से देश की 22 भाषाओं का सामान्य परिचय स्कूलों में पहुंचने वाले 3.32 लाख बच्चों को कराया जा रहा है। 21 दिसंबर तक चलने वाले इस मुहिम के लिए 7 हजार शिक्षकों, 2957 शिक्षाविग, 522 अनुदेशकों को निर्देशित दी गई है। शिक्षा बेसिक शिक्षा अधिनियम परिषद ने भारत सरकार के माध्यम से भाषा संगम को और से जोड़ने के लिए एक नए स्तरीय को सपोर्ट करने में मदद किया है।

जिले के स्कूलों में पहुंचने वाले बच्चों को जैसे तो सामान्य जानकारी दी जाती है, हिन्दी के साथ ही उर्दू और संस्कृत भाषा के बारे में बताया जा रहा है। लेकिन यह

हर दिन अलग भाषा

शिक्षकों को 22 भाषाओं की जानकारी बच्चों को देने के लिए हर दिन एक भाषा के बारे में बताया जाएगा। इसके लिए भाषा संगम बुकलेट के जरिए भाषाओं की जानकारी दी गई है और लिखित रूप में यह है। नवंबर में 20 को असमि भाषा, 22 को बंगाली, 26 को बोडो, 27 को डोगरी, 28 को गुजराती, 29 को हिन्दी, 30 को कन्नड़ भाषा का ज्ञान देना है। दिसंबर में 3 को कश्मीरी, 4 को कोकणी, 5 को मैथिली, 6 को मराठी, 7 को मणिपुरी, 10 को मराठी, 11 को नेपाली, 12 को ओड़िया, 13 को पंजाबी, 14 को संस्कृत, 17 को तमिल, 18 को सिंधी, 19 को उर्दू, 20 को तेलुगू, 21 को उर्दू भाषा की जानकारी दी जाएगी।

मुहिम की निगरानी की भी व्यवस्था

एक भारत श्रेष्ठ भारत मुहिम की निगरानी वीडियो के जरिए मॉनिटरिंग के लिए चार समन्वयकों, 12 खंड शिक्षा अधिकारियों, 85 सह समन्वयकों, 166 न्याय पंचायत समन्वयकों को लक्ष्य रखा है। बीएसएल सिंह खुद खोले वीडियो पर नजर बचाए हुए हैं। उन्होंने कक्षाएं स्कूल के बच्चों को देश की विविध भाषाओं के बारे में जानकारी देने का काम भी किया है।

भाषा संगम बुकलेट में हर भाषा का अनुवाद

बेसिक शिक्षा विभाग ने स्कूलों को भाषा संगम की बुकलेट जारी की है। इसमें 22 भाषाओं के पुस्तिकाओं का काम मजबूत है और उसे कैसे लिखा व क्यों लिखा है, इसकी जानकारी भी है। आज तक से देश की भाषाओं की भाषा के बारे में जानकारी दी जा रही है। शिक्षकों को इसे बुकलेट के अक्षर पर बच्चों को पढ़ाया जाएगा।

देश की भाषाओं के बारे में बच्चों को जानकारी देने के लिए यह पहल की गई है।

इससे देश की एकता और अखंडता का विकास होगा और बच्चों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि जो वे पढ़ाते हैं उसे अन्य राज्यों में कैसे पढ़ाया जाता है।

-परिषद शिक्षा अधिकारी

देश की भाषाओं के बारे में बच्चों को जानकारी देने के लिए यह पहल की गई है। इससे देश की एकता और अखंडता का विकास होगा और बच्चों को इस बात की जानकारी दी जाएगी कि जो वे पढ़ाते हैं उसे अन्य राज्यों में कैसे पढ़ाया जाता है।

-परिषद शिक्षा अधिकारी

इस संगम में विद्यार्थियों को मिलेगा 22 भाषाओं का ज्ञान

संसू गोडा : बेसिक शिक्षा विभाग भाषा संगम नाम से मंगलवार से नई पहल शुरू करने जा रहा है, जिसमें छात्रों को देश की प्रमुख 22 भाषाओं का अध्ययन कराया जाएगा। उनको भाषा की सामान्य जानकारी देने के साथ ही उसे बोलने व लिखने की तकनीक बताई जाएगी। इसको लेकर कवायद शुरू कर दी गई है। पहले चरण में 20 नवंबर से 21 दिसंबर तक कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके जरिए देश अखंडता और मजबूत होगी।

भारत सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत उक्त पहल शुरू की गयी है। प्रत्येक दिन छात्रों को एक भाषा के विषय में बताया जाएगा। प्राथमिक विद्यालय घोहरा के प्रधानाध्यापक रवि प्रताप सिंह को प्रभारी नामित किया गया है।

छात्रों को पढ़ाई के बाद रोजगार के सिलसिले में बहर जाना पड़ता है, जहां पहली समस्या भाषा को लेकर होती है। देश की अखंडता के लिए सभी भाषा को जानना बहुत जरूरी है। इसके लिए भाषा संगम कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। इसमें छात्रों को विभिन्न भाषाओं का ज्ञान कराया जाएगा।

पहल

- आज से शुरू होकर 21 दिसंबर तक चलेगा कार्यक्रम
- भारत की 22 भाषाओं का कराया जाएगा अध्ययन

इन भाषाओं का कराया जाएगा ज्ञान

छात्रों को हिंदी, अंग्रेजी के साथ ही अब आसामी, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथली, सिंधी, तमिल, तेलुगू व उर्दू सिखाई जाएगा।

अब देश 22 भाषाओं से परिचित होंगे नौनिहाल, एक महीने तक प्रत्येक दिन नई भाषा सीखेंगे बच्चे

परिषदीय स्कूलों में होगा देश की भाषाओं का संगम

गोवा | दिवाकर सिंह

परिषदीय स्कूलों में बच्चों को देश में व्याप्त अलग-अलग संस्कृतियों से रूबरू कराने की ओर सरकार बेसिक शिक्षा विभाग की नई पहल हुई है। अब परिषदीय विद्यालयों में देश की विभिन्न भाषाओं का संगम होगा।

बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में पहुंचने वाले छात्रों को भारत की विभिन्न 22 भाषाओं का सामान्य परिचय कराया जाएगा। इसके लिए विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। भारत की एकता और अखंडता को बढ़ाने की एक अच्छी

एक भारत श्रेष्ठ भारत में बना प्लान

भाषा संगम को एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत कराया जा रहा है। इससे छात्रों को अपने देश की भाषा में विविधता को सीखने का अवसर भी मिलेगा। बीएसएल मनिम सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम 20 नवंबर से शुरू होकर 21 दिसंबर को समाप्त होगा। इसमें भारत की विभिन्न 22 भाषाओं में बच्चों में अपना सामान्य परिचय देना सिखाया जाएगा। इसे बहुत ही सरल तरीके से भारत सरकार के मार्गदर्शन में केंद्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद ने पेश किया गया है। इसमें प्रत्येक कार्यक्रम में छात्रों को एक निश्चित भाषा सिखाई जाएगी। संबंधित सामग्री खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षक रवि प्रताप करेंगे समाधान

इस कार्यक्रम को संचालित करने में किसी प्रकार की परेशानी होने पर सहायता और समाधान के लिए भी व्यवस्था की गई है। शैक्षिक नवाचार व अन्य गतिविधियों में अधीनी भूमिका निभाने वाले कर्नलज शिक्षा क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय घोहरा के प्रधानाध्यापक रवि प्रताप सिंह को सहयोगी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पहल की जा रही है। भारत की विभिन्न भाषाओं को बोलकर बच्चे

सीखेंगे तो है ही साथ ही साथ इससे भारत की राष्ट्रीय एकता और

अखंडता भी बढ़ेगी और बच्चों में नया संदेश भी जायेगा।

Hindi News | Rajasthan | Gangapur | Gangapur News languages given in the language sangam program

भाषा संगम कार्यक्रम में भाषाओं की दी जानकारी

Gangapur News - स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में भाषा संगम के तहत...

Dainik Bhaskar
Dec 07, 2018, 02:35 AM IST

Gangapur News - languages given in the language sangam program

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में भाषा संगम कार्यक्रम में भाषाओं की जानकारी दी गई। कमलेश मीणा व ऋषिता और रश्मि मीणा ने हिंदी को राष्ट्र भाषा बताया वहीं पुखराज मीणा, कृतिका शर्मा ने संस्कृत पर अपने विचार रखते हुए कहा कि संस्कृत भाषाओं की जननी है और सबसे प्राचीन भाषा है। आसिफ खान ने अंग्रेजी भाषा, सोनिया मंडल ने बंगाली भाषा के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी दी।

भाषा संगम कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करने के लिए एक प्रचार-प्रसार पत्रिका तैयार की गई है। इस पत्रिका में भाषा संगम के बारे में जानकारी दी गई है।

भाषा संगम कार्यक्रम

भाषा संगम कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करने के लिए एक प्रचार-प्रसार पत्रिका तैयार की गई है। इस पत्रिका में भाषा संगम के बारे में जानकारी दी गई है।

भाषा संगम कार्यक्रम

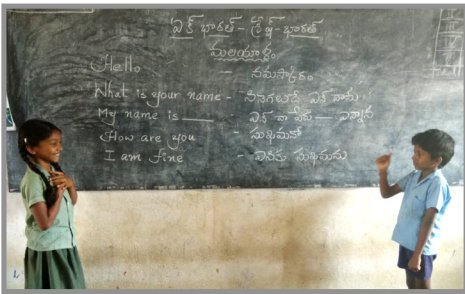
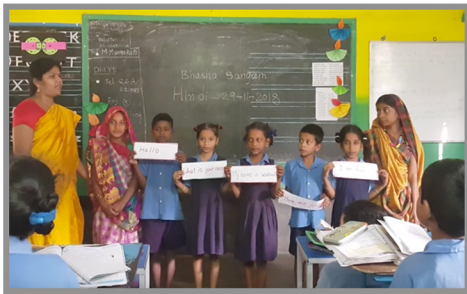
भाषा संगम कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार करने के लिए एक प्रचार-प्रसार पत्रिका तैयार की गई है। इस पत्रिका में भाषा संगम के बारे में जानकारी दी गई है।

Gangapur News - languages given in the language sangam program

1/2 **इंग वीडियो देखें**

स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल में प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में भाषा संगम कार्यक्रम में भाषाओं की जानकारी दी गई। कमलेश मीणा व ऋषिता और रश्मि मीणा ने हिंदी को राष्ट्र भाषा बताया वहीं पुखराज मीणा, कृतिका शर्मा ने संस्कृत पर अपने विचार रखते हुए कहा कि संस्कृत भाषाओं की जननी है और सबसे प्राचीन भाषा है। आसिफ खान ने अंग्रेजी भाषा, सोनिया मंडल ने बंगाली भाषा के बारे में सभी को विस्तार से जानकारी दी।

Glimpses of Bhasha Sangam



Glimpses of Bhasha Sangam

